RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 10 अंक-15 इन्दौर, प्रति मंगलवार, 18 अप्रैल से 24 अप्रैल 2023 पृष्ठ-8 मूल्य -2

बीजेपी में जाने की अटकलों पर अजित पवार ने तोड़ी चुप्पी, बोले- एनसीपी के हर फैसले के साथ

महाराष्ट्र में बीजेपी में शामिल होने की अटकलों को अजित पवार (ड्डद्भद्बह्ल क्कड्ड2ड्डह्ल) ने साफ तौर पर नाकार दिया है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि ह्ष्टक्क में हूं, ह्ष्टक्क में रहूंगा। पार्टी के हर फैसले का साथ खड़ा हूं। अजित पवार ने कहा कि मेरे बारे में फैली अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। मैं एनसीपी के साथ हूं और पार्टी के साथ रहूंगा। बता दें कि महाराष्ट्र में यह कयास लगाए जा रहे थे कि अजित पवार कुछ एनसीपी विधायकों के साथ बीजेपी में शामिल हो सकते हैं।

अजित पवार के बारे में क्यों लग रहे कयास?

अजित पवार एनसीपी में शरद पवार के बाद नंबर टू माने जाते हैं। महा विकास अघाड़ी सरकार में वह डिप्टी सीएम बनाए गए थे। उनके बीजेपी में जाने की अटकलें यूं ही नहीं लगाए जाने लगीं। विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अजित पवार बीती 8 अप्रैल को एनसीपी नेताओं के संपर्क से बाहर हो गए थे।

इतना ही नहीं, सोमवार को उन्होंने पुणे का एक तय कार्यक्रम रद्द कर दिया था। इसके बाद उनकी महाराष्ट्र बीजेपी के दो टॉप नेताओं के साथ दिल्ली आने की खबरें सामने आईं, जिसके बाद से यह अटकलें लगाई जाने लगीं कि क्या वे आने वाले दिनों में बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। इससे पहले नवंबर 2019 में भी वे बीजेपी से हाथ मिला चुके हैं लेकिन तब शरद पवार ने मामला संभाल लिया था और उनकी 'घर वापसी' हो गई थी।

अतीक-अशरफ की मौत के बाद सीएम योगी का बड़ा बयान, यूपी में अब कोई माफिया किसी को धमका नहीं सकता

सीएम योगी ने कहा कि जो माफिया पहले संकट थे, वो अब खुद संकट में है। हमारी सरकार में यूपी में एक बार भी कर्फ्यू नहीं लगा है। अब किसी जनपद के नाम से डर नहीं है। यूपी अब विकास के लिए जाना जाता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश पर लगे दंगे के राज्य के कलंक को हम मिटा चुके हैं। 2017 से पहले यूपी दंगे के लिए जाना जाता था। हर दूसरे दिन दंगा होता था। 2012 से 17 के बीच 700 से ज्यादा दंगे हुए थे। 2017 के बाद दंगे की नौबत ही नहीं आई। आज किसी जनपद के नाम से यूपी में डरने की आवश्यकता नहीं है। यूपी की पहचान के जो लोग संकट हुआ करते थे आज वह स्वयं संकट में हैं। आज कोई भी अपराधी व्यापारी को धमका नहीं सकता। उत्तर प्रदेश सरकार आप सभी निवेशकों की पूंजी को सुरक्षित रखने में सक्षम है।

सीएम योगी ने मंगलवार को पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र एवं परिधान (पीएम मित्र) योजना के अंतर्गत लखनऊ-हरदोई में एक हजार एकड़ में विस्तृत टेक्सटाइल पार्क की स्थापना को लेकर लोकभवन में आयोजित एमओयू के कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान केंद्रीय वाणिज्य, उद्योग एवं कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल और केंद्रीय कपड़ा राज्य मंत्री विक्रम जरदोश मौजूद थीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि पहले कहा जाता था, जहां से अंधेरा शुरु हो, वहां से उत्तर प्रदेश शुरू हो जाता है। 75 में से 71 जनपद अंधेरे में होते थे। आज ये दूर हो चुका है। आज यूपी के गांवों में स्ट्रीट लाइट्स जगमगा रही हैं।

सीएम योगी ने कहा कि यूपी जैसा कृषि प्रधान राज्य जहां पर एक बड़ी आबादी अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर करती है। रोजगार के दृश्य से अगर हम देखें तो वस्त्र उद्योग ही सर्वाधिक रोजगार सृजन करने वाला क्षेत्र है। यूपी में वस्त्र उद्योग की एक समृद्ध परम्परा रही है। यहां का हैंडलूम, पावरलूम, वाराणसी और आजमगढ़ की सिल्क साड़ियां, भदोही का कारपेट, लखनऊ की चिकनकारी और सहारनपुर का क्राफ्ट यह सब विश्वविख्यात रहा है। उन्होंने कहा कि कानपुर कभी वस्त्र उद्योग का केंद्र रहा है उसकी गिनती 4-5 महानगरों में होती थी।

सीएम योगी ने कहा कि यूपी न केवल अपने औद्योगीकरण के लिए बल्कि नगरीय व्यवस्था की दृष्टि से भी देश का एक महत्वपूर्ण प्रदेश माना जाता था। लेकिन एक कालखंड ऐसा भी आया जिसमें यूपी की इस पहचान को पूरी तरह समाप्त सा कर दिया था। हैंडलूम और पावरलूम को उचित प्रोत्साहन ना मिलने के कारण वह भी दम तोड़ने लगे थे। विगत 9 वर्षों के अंदर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने जो प्रगति की है उसका लाभ लगभग 6 वर्ष के अंदर यूपी को सर्वाधिक मिला है।

सीएम योगी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश की प्रगति किसी से छुपी नहीं है। उन्होंने कहा कि पीएम मित्र योजना के तहत स्थापित होने वाले टेक्सटाइल पार्क को लेकर हस्ताक्षरित हुआ यह एमओयू का कार्यक्रम भारत सरकार और राज्य सरकार के बीच पहला कार्यक्रम है। बेहतरीन कनेक्टिविटी के बीच जिन निवेशकों ने यहां रुचि दिखाई है उन्होंने देखा होगा की एयरपोर्ट से मात्रा आधे घंटे में अपने गंतव्य तक पहुंच सकते हैं। फोर लेन की कनेक्टिविटी यहां पहले से है, जहां कनेक्टिविटी नहीं है वहां हम जल्द उपलब्ध कराएंगे।

अतीक अहमद के वकील के घर के पास फेंका गया देसी बम- पुलिस

अतीक अहमद के वकील दयाशंकर मिश्रा ने कहा कि यह भय और आतंक पैदा करने का एक प्रयास था।

अतीक अहमद और अशरफ की हत्या के बाद से उनके वकील लगातार सुर्खियों में हैं। अतीक अहमद के वकील उनकी हत्या के पीछे बड़ी साजिश बता रहे हैं। इस बीच मंगलवार को यूपी पुलिस ने बताया कि अतीक अहमद के एक वकील के घर के पास एक गली में देसी बम फेंका गया।

प्रयागराज पुलिस की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार, कटरा इलाके में फेंके गए इस बम की वजह से किसी के घायल होने की खबर नहीं है। यह बम मंगलवार दोपहर में फेंका गया।

कर्नेलगंज थाना के SHO राम मोहन राय ने दावा किया कि अतीक के वकील दयाशंकर मिश्रा इसका टारगेट नहीं थे। उन्होंने बताया कि इस घटना की वजह दो युवाओं के बीच की आपसी रंजिश थी। हालांकि वकील ने दावा किया कि यह भय और आतंक पैदा करने का एक प्रयास था।

मीडिया से बातचीत में वकील दयाशंकर मिश्रा ने कहा, मैं कोर्ट में था जब मेरे बेटे ने मुझे बताया कि बम फेंके गए हैं। मैं तुरंत घर भागाज् मुझे लगता है कि यह मुझे डराने, आतंक पैदा करने के लिए किया गया है। यह एक बड़ी साजिश हैज् इसके पीछे कौन है इसका पता लगाना पुलिस का काम है।

वकील दयाशंकर मिश्रा ने दावा किया, मेरी बेटी और लोकल लोगों ने देखा कि एक व्यक्ति ने यह काम अंजाम दिया और उसके द्वारा तीन बम फेंके गए। पुलिस ने बताया कि इस घटना के बाद फोरेंसिक विशेषज्ञों ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

SHO की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार, कटरा मोहल्ले में दो युवकों की आपसी रंजिश की वजह से यह देशी बम फेंका गया था। उन्होंने कहा कि यह संयोग ही है कि बम मोहल्ले में रहने वाले अतीक अहमद के एक वकील के घर के पास फेंका गया। इस मामले में एक्शन लिया जा रहा है।

अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण शुरू, इस बार से श्रद्धालुओं को मिलेंगी कई नई सुविधाएं

श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड भक्तों के लिए सुबह और शाम की आरती का सीधा प्रसारण भी करेगा। तीर्थ यात्रा और यात्रा के मार्ग में मौसम की तत्काल जानकारी और कई सेवाओं का ऑनलाइन लाभ उठाने के लिए गूगल प्ले स्टोर पर एक ऐप भी उपलब्ध कराया गया है।

वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण शुरू हो गया है और इसके लिए श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा है। हम आपको बता दें कि दक्षिण कश्मीर में स्थित अमरनाथ मंदिर की वार्षिक यात्रा एक जुलाई से शुरू होकर 31 अगस्त तक चलेगी। इस वर्ष भी यात्रा अनंतनाग जिले के पहलगाम मार्ग और गंदेरबल जिले के बालटाल मार्ग, दोनों से ही एक साथ शुरू होगी। श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड भक्तों के लिए सुबह और शाम की आरती का सीधा प्रसारण भी करेगा। तीर्थ यात्रा और यात्रा के मार्ग में मौसम की तत्काल जानकारी और कई सेवाओं का ऑनलाइन लाभ उठाने के लिए गूगल प्ले स्टोर पर एक ऐप भी उपलब्ध कराया गया है।

सम्पादकीय

लापरवाही का सिलसिला

बिहार में प्रतिबंध के बावजूद हर कुछ समय बाद राज्य के किसी इलाके में जहरीली शराब पीने से लोगों की मौत की खबरें अक्सर आती रहती हैं।

किसी भी दुखद घटना या हादसे का जरूरी सबक यह होना चाहिए कि ऐसे इंतजाम किए जाएं, ताकि भविष्य में वैसा फिर न हो। लेकिन ऐसा लगता है कि बिहार में सरकार को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वहां पाबंदी के बावजूद बार-बार जहरीली शराब पीने से लोगों की मौत हो रही है और प्रशासन की नाकामी बदस्तूर कायम है।

गौरतलब है कि बिहार के मोतिहारी में तीन दिन पहले शराब पीने के बाद फिलहाल छब्बीस लोगों की जान जाने की खबर आ चुकी है। हैरानी की बात यह है कि राज्य में शराब पर सख्त पाबंदी को मौजूदा सरकार अपनी एक बड़ी उपलब्धि बताती रही है। मगर समय-समय पर अमूमन हर जगह अवैध रूप से शराब मिलने की खबरों को लेकर जब सवाल उठाए गए और पाबंदी की व्यावहारिकता को कठघरे में खड़ा किया गया, तब भी सरकार ने इस मामले में नरमी बरतने के कोई संकेत नहीं दिए। सवाल है कि अगर सरकार शराब पर प्रतिबंध को लेकर अपने सख्त रुख को उचित मानती है तो उसे जमीन पर उतारने में लगातार नाकाम क्यों दिख रही है!

हालांकि कुछ महीने पहले राज्य के छपरा जिले में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों की पिछली घटना के बाद राज्य में काफी तीखी प्रतिक्रिया उभरी थी और विपक्षी दलों ने सवाल उठाए थे। तब मुख्यमंत्री ने जो प्रतिक्रिया दी थी, उसे भी संवेदनशीलता की कसौटी पर उचित नहीं माना गया था। जबकि पाबंदी के बावजूद अगर कहीं किसी रूप में सामान्य या जहरीली शराब मिल रही है तो यह राज्य के प्रशासनिक तंत्र की लापरवाही और विफलता का ही सूचक है।

अगर सरकारी तंत्र की नाकामी की वजह से जहरीली शराब के कारोबारी अपना धंधा चला रहे हैं तो सरकार को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। शायद इसी तरह के सवालों से उपजे दबाव का नतीजा है कि इस बार अपना रुख बदलते हुए बिहार के मुख्यमंत्री ने यह अहम घोषणा की कि मोतिहारी में जहरीली शराब पीने से मरने वालों के अलावा पहले की घटनाओं में हुई मौतों के मामले में भी पीड़ित परिवारों को चार-चार लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा।

यों सरकार ने इसके लिए कुछ शर्तें लगाई हैं। मसलन, मृतक के परिजनों को लिखित देना होगा कि मौत शराब पीने से हुई है, शराबबंदी अच्छी चीज है और भविष्य में परिवार का कोई भी शख्स शराब नहीं पीएगा।

दरअसल, बिहार में पिछले कई साल से शराबबंदी लागू है और इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ राज्य की पुलिस की ओर से बेहद सख्ती बरतने की खबरें भी आती रही हैं। शराब की अवैध बिक्री के आरोप में बहुत सारे लोगों को जिस तरह कानून के कठघरे में खड़ा किया गया, उस पर विपक्षी दलों ने सवाल उठाए।

जमीनी तस्वीर यह है कि राज्य में पाबंदी के बावजूद शराब हासिल करना कोई मुश्किल काम नहीं देखा गया। ऐसे आरोप भी सामने आए कि कई स्तर पर मिलीभगत के बूते आज भी शराब के अवैध कारोबार को अंजाम दिया जाता है। इसी बीच कई बार जहरीली शराब भी बेच दी जाती है और उसका शिकार आमतौर पर वैसे गरीब लोग होते हैं, जो जागरूक नहीं होते हैं।

आखिर इसकी मुख्य वजह शराबबंदी के नियम को ईमानदारी से लागू करने में राज्य के संबंधित महकमों की लापरवाही ही है। यह बेवजह नहीं है कि प्रतिबंध के बावजूद हर कुछ समय बाद राज्य के किसी इलाके में जहरीली शराब पीने से लोगों की मौत की खबरें अक्सर आती रहती हैं। अगर बिहार सरकार इसे कोई गंभीर समस्या मानती है तो उसे शराबबंदी की अपनी प्रचारित नीति की सार्थकता भी साबित करनी चाहिए।

संपादक-
गोपाल गावंडे

वन्यजीव और जीवन का संघर्ष

काजीरंगा अभयारण्य में गैंडों की आबादी पिछले दो दशकों में दोगुनी हुई है।

यह स्पष्ट है कि स्थानीय आदिवासी गैंडों का शिकार नहीं करते। गैंडों के अवैध शिकार में शामिल लोगों के तार अंतरराष्ट्रीय गिरोहों से जुड़े हैं। सरकार का खुफिया तंत्र सब कुछ जानता है, पर सवाल है कि क्या सरकार की ओर से उन इलाकों में ऐसा कोई जागरूकता अभियान चलाया गया है? 2015 में जितने गैंडों को शिकारियों ने मारा, उससे ज्यादा लोग पार्क के सुरक्षाकर्मियों की गोली से मरे।

काजीरंगा अभयारण्य में गैंडों की आबादी पिछले दो दशकों में दोगुनी हुई है। 1985 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर के तौर पर घोषित यह अभयारण्य सरकार और स्थानीय संस्थाओं के समन्वय से हासिल एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर दुनिया के सामने नजीर है। मगर 2017 में वहां गैंडों के संरक्षण को लेकर सरकार के तौर-तरीकों पर अचानक दुनिया भर में बहस छिड़ गई।

गैंडों के संरक्षण की आड़ में स्थानीय मूल निवासियों के उत्पीड़न और शोषण की बातें होने लगीं। चूंकि गैंडों को बचाने और उनकी आबादी बढ़ाने की मुहिम एक संवेदनशील अंतरराष्ट्रीय मसला है, इसलिए वन्यजीवों और वनवासियों के हितों पर काम करनेवाली संस्थाओं के सामने काजीरंगा अध्ययन का विषय बन गया।

वन्य जीवों के संरक्षण को लेकर नामचीन संस्थाओं को गैंडों की उन पांच प्रजातियों की चिंता है, जो आज धरती के कुछ खास इलाकों में पाई जाती हैं। संयोग है कि उन जंगलों में विविध प्रकार के दुर्लभ और संकटग्रस्त वन्य-जीवों के अलावा आदिवासी भी रहा करते हैं। भारत में सवा दो करोड़ आदिवासी आबादी के बीच हजारों की संख्या में गैंडे भी रहते हैं। मगर भारत में गैंडों को बचाने की मुहिम कुछ अलग किस्म की लगती है।

बताया जाता है कि पूर्वोत्तर भारत में आदिवासियों की जान की कीमत पर गैंडों की आबादी बढ़ाई जा रही है। इससे जुड़ी प्रामाणिक खबरें नागरिक समाज तक पहुंचीं, तो जैसे वितंडा मच गया। ऐसे में जंगलात विभाग की जमकर फजीहत हुई। अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि काजीरंगा के वन अधिकारियों पर शिकारियों के खिलाफ कार्रवाई दर्शाने का भारी दबाव बना रहता है। तभी तो जंगलों में घुसपैठ करते शिकारी मारे जाते हैं।

विज्ञान पत्रिका 'नेचर कम्युनिकेशन' में लंदन की एक गैर-सरकारी संस्था 'वर्ल्ड एनिमल प्रोटेक्शन' की छपी एक रिपोर्ट में असम की तीन प्रमुख जनजातियों, बायेट, दिमासा और कार्बी के लोगों के वन्यजीवों के अवैध शिकार में शामिल होने की पुष्टि की गई है। वैसे तो भारत में गैंडों को बचाने और उनकी आबादी बढ़ाने के तौर-तरीकों पर लंबे समय से अंगुलियां उठाई जाती रही हैं। पर 'अवैध शिकार पर पूरी तरह से नियंत्रण अभियान' के नतीजे दिखाने के लिए निर्दोष आदिवासियों की हत्या जैसे निष्कर्षों तक जाने की बातें नहीं हुई थीं। सरकार की दलील है कि गरीबी में आदिवासी समझौता कर लेते हैं और तस्करों के एजेंट बन जाते हैं। हालांकि, स्थानीय समुदायों की खराब सामाजिक-आर्थिक स्थिति, मतलब भुखमरी से उन्हें उबारने को लेकर सरकार की ओर से अनेकानेक प्रयास किए जाते रहे हैं। मगर 'आदिवासियों की अपनी जड़वत सोच, सुस्त जीवन-शैली और शेष दुनिया से खुद को अलग रखने के निश्छल संजातीय खासियत के चलते वे सरकार के उद्धार और कल्याण वाले कार्यक्रमों से जुड़ नहीं पाते।' यह भी सच है कि उद्यान के आला अधिकारी अवैध शिकार पर रोक लगाने के लिए स्थानीय जासूस भी पालते हैं। ये जासूस कभी-कभार निजी रंजिश निकालने के लिए स्थानीय निर्दोष आदिवासियों को भी शिकार बना लेते हैं।असम में जो हो रहा है, उससे कमोबेश समूची दुनिया हैरान है। आदिवासी इलाकों में जहां युगीन जैव-विविधता को बाहरी हस्तक्षेप ने बर्बाद किया, तो बाद में संवर्द्धन के नाम पर शासकीय संरक्षण के चलते प्रकृति के साथ मूल बाशिंदों का तारतम्य कमजोर पड़ गया। राजकीय संरक्षण को आदिवासियों ने कभी मन से स्वीकार नहीं किया।

क्योंकि जहां युगों से आदिवासी पुश्तैनी अधिकारों के साथ जी रहे थे, अब उन्हें अनुदार राजकीय कृपा का मोहताज होना पड़ा है। इस तथ्य को काजीरंगा के बोडो आदिवासियों के बीच महसूस किया जा सकता है। नतीजतन, व्यवस्था-विरोधी अघोषित टकराहटों का माहौल बन जाता है। कई स्वयंसेवी संस्थाओं और वन्यजीव कार्यकर्ताओं के विश्लेषण और निष्कर्षों के बाद अब काजीरंगा को निर्दोष आदिवासियों का 'वध-भूमि' कहा जाने लगा है।

2014 के बाद से केवल दो शिकारियों को सजा हुई है, जबकि पचास संदिग्ध लोगों को गोली मार दी गई। उल्लेखनीय है कि काजीरंगा सदियों से बोडो आदिवासियों का कुदरती रिहाइश रहा है। ये आदिवासी यहां से जलावन की लकड़ियां, परंपरागत जीवन-शैली के लिए जड़ी-बूटियां और भोजन के लिए विभिन्न प्रजाति के औषधीय पौधों पर निर्भर रहे हैं।

देश के अन्य जनजातीय समुदायों की तरह इन बोडो लोगों की जंगल के चप्पे-चप्पे में पहुंच है। उनका वहां के वन्य जीवों से गहरा नाता रहा है। आदिवासियों का दावा है कि उनके पूर्वजों ने न सिर्फ गैंडों, बल्कि अन्य प्रजाति के पशु-पक्षियों के साथ सामंजस्य और साहचर्य का जीवन बिताया है। इनमें से कई प्रजातियां विलुप्ति की कगार पर पहुंच गई थीं, उन्हें बचाने में आदिवासियों का बड़ा योगदान रहा है।

मगर ऐसी दावेदारियों के बीच सरकार की ओर से इल्जाम क्यों लगाए जा रहे हैं? क्या सच में वन्य जीवों के अंधाधुंध शिकार में स्थानीय आदिवासी समुदायों की संलिप्तता रही है? बोडो परंपरागत तौर पर शिकार पसंद प्रजाति है। क्या वे अपनी शिकार-प्रथा में गैंडों को मारते रहे हैं? क्या गैंडों के अंतरराष्ट्रीय बाजार से स्थानीय आदिवासियों का कोई ताना-बाना है?

कुछ दशक पहले गैंडों के अस्तित्व पर संकट के लिए स्थानीय आदिवासी समुदायों को जिम्मेदार माना गया था। इसी बीच 2015 में खबर आई कि विभिन्न मुठभेड़ों में जंगलात विभाग ने साल भर में चौबीस आदिवासियों को मार गिराया। सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी से पता चला कि 1972 के वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत 2010 से 2015 के बीच कुल 636 लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

1980 के दशक में असम में निहित स्वार्थी तत्त्वों के सरकार के साथ संघर्ष के बीच वन्य जीवों के संरक्षण की चिंता नहीं की गई। उस अवधि के बाद जब विद्रोहियों ने मानस राष्ट्रीय उद्यान में शरण ली, तो लकड़ियों और वन्य उत्पादों का भरपूर दोहन किया गया। उनमें गैंडों के अवैध शिकार से विद्रोही अकूत दौलत कमा रहे थे। उसी दौरान आदिवासियों को इस काम में शामिल होने के लिए बाध्य किया जाता था।ऐसा नहीं कि सरकार ने गैंडों और अन्य वन्य जीवों के शिकार पर रोक लगाने की कोशिश नहीं की थी। सरकार ने पारिस्थितिकी बोर्ड की स्थापना करके तस्करों की मदद करने वाले हजारों आदिवासियों और वनाश्रित समुदायों को हथियार छोड़ कर सामान्य जिंदगी जीने के लिए प्रेरित किया, फिर भी ऐसे लोग अवैध कारोबार छोड़ने को तैयार नहीं हुए।यह स्पष्ट है कि स्थानीय आदिवासी लोग गैंडों का शिकार नहीं करते। गैंडों के अवैध शिकार में शामिल लोगों के तार अंतरराष्ट्रीय गिरोहों से जुड़े हैं। सरकार का खुफिया तंत्र सब कुछ जानता है, पर सवाल है कि क्या सरकार की ओर से उन इलाकों में ऐसा कोई जागरूकता अभियान चलाया गया है? 2015 में जितने गैंडों को शिकारियों ने मारा, उससे ज्यादा लोग पार्क के सुरक्षाकर्मियों की गोली से मरे।ज्यादातर बेगुनाह ग्रामीण आदिवासी हैं, जो इस संघर्ष की चपेट में आ जाते हैं- कुछ शिकारियों को पार्क में जाने के लिए मदद करने के दौरान मारे जाते हैं। कुछ प्रतिबंधित इलाके में अपने पशुओं को चराते हुए पहुंच जाते हैं। दरअसल, काजीरंगा के अधिकारी शिकारियों के खिलाफ 'असाधारण उपाय' अपनाने के दोषी हैं, क्योंकि उनमें जंगलों में संदिग्धों को 'देखते ही गोली मार देने' का आदेश मानने का जुनून है। वन्य जीवों की हिफाजत जरूरी तो है, पर सवाल है कि किस कीमत पर। क्या स्थानीय आदिवासियों के बीच जागरूकता अभियान चलाकर इस पूरे मुद्दे के तमाम पहलुओं पर प्रकाश डालना जरूरी नहीं?

बंटी-बबली ने लगई ढाई लाख की चपत

इंदौर। विजय नगर पुलिस ने करीब ढाई लाख रुपए की धोखाधड़ी के मामले में युवक-युवती के खिलाफ केस दर्ज किया है। दोनों ने युवक को झांसा देकर रुपए हड़प लिए थे। वहीं एक मामले में लाखों रुपए के माल की अफरा-तफरी की गई।

जानकारी के अनुसार फरियादी अंशुल पिता आलोक नेगी निवासी की शिकायत पर पुलिस ने मुस्कान और समीर के खिलाफ धारा 420 और 384 के तहत केस दर्ज किया है। फरियादी अंशुल नेगी ने पुलिस को बताया कि दोनों आरोपियों ने उसने कहा कि उनकी पुलिस विभाग में अच्छी पहचान है और तुम्हें झूठे मामले में फसा देंगे आदि धमकी देकर उससे ढाई लाख रुपए हड़प लिए। बताया जाता है कि आरोपी मुस्कान और समीर ने पूर्व में भी इस तरह की वारदात को अंजाम दिया था इनके खिलाफ लसूडिया थाने में भी धोखाधड़ी के मामले दर्ज है।

लाखों रुपए के माल की अफरा-तफरी में भी केस दर्ज

इन्दौर । फरियादी नीरज कुमार की रिपोर्ट पर शिप्रा पुलिस ने जफर पिता मोहम्मद मुश्रीफ और अजरू पिता इदरीश दोनों निवासी हरियाणा के खिलाफ धारा 406 का केस दर्ज किया है। जांच अधिकारी उपनिरीक्षक सुमन तिवारी के मुताबिक फरियादी नीरज कुमार का पीर कराडिया में ट्रांसपोर्ट है और उसके ट्रक क्रमांक एनएल 01 एजी 5175 को खाली करते समय 170 टी आई डी एस कम पाए गए जिसकी कीमत 14 लाख रुपए है। मामले में ड्राइवर जफर और हेल्पर अजरू के खिलाफ केस दर्ज किया है।

ऑनलाइन धोखाधड़ी

इन्दौर । फरियादी हिमांशु पिता हरीश कुमार निवासी बापू गांधीनगर की रिपोर्ट पर एक आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी के तहत केस दर्ज किया है। फरियादी हिमांशु के मुताबिक आरोपी ने झांसा देकर ऑनलाइन उसके साथ धोखाधड़ी की। बताते हैं कि आरोपी ने इस तरह पांच अन्य लोगों के साथ भी ऑनलाइन धोखाधड़ी की।

दो तोले की चेन ले भागा

इंदौर। एक दुकान पर पहुंचे बदमाश ने ज्वेलर्स को झांसा देकर दो तोले की सोने की चेन ले भागा। मामले में पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। फरियादी यश पिता मुकेश सोनी निवासी सुदामा नगर ने पुलिस को बताया कि उषा नगर में उसकी पूजा ज्वेलर्स के नाम से दुकान है । उसके मुताबिक 13 अप्रैल सुबह 11:20 बजे एक युवक दुकान पर आया और झांसा देकर 2 तोला सोने की चेन लेकर फरार हो गया। अन्नपूर्णा पुलिस ने धारा 420 का प्रकरण दर्ज किया है ।

दहेज नहीं लाई तो घर से निकाला

इंदौर। महिला से उसके पति और ससुराल वालों ने दहेज में नकदी लाने की मांग की, रुपए नहीं लाने पर उसे घर से निकाल दिया।

इशिका चौधरी 24 साल निवासी श्री कृष्ण एवेन्यू लिंबू दी ने पुलिस को दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी शादी 1 साल पहले नासिक में रहने वाले जितेश चौधरी से हुई। परिजन ने शादी में 20 लाख से अधिक का दहेज दिया था । शादी के कुछ महीने बाद ही उसे मायके से 25 लाख रुपए लाने के लिए प्रताड़ित करने लगे उसे एक समय ही खाना दिया जाता था और छोटी-छोटी बातों को लेकर पति और अन्य उसके साथ मारपीट करते थे । इशिका ने आरोप लगाया कि पति ने उससे मोबाइल भी छीन लिया था कि वहां अपने परिजन से बात भी नहीं कर सके। 25 लाख रुपए की मांग को लेकर उसे घर से निकाल दिया। महिला पुलिस ने पति के अलावा सास प्रेमलता चौधरी ससुर श्री कृष्ण कुमार चौधरी और ननंद वर्षा के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

पत्नी का मर्डर करने वाले की तलाश में छापेमारी

इंदौर। खजराना में शुक्रवार रात चरित्र शंका में सिलबट्टे से वार कर पत्नी को मौत के घाट उतारने वाला पति अभी भी फरार है। तीन दिनों में पुलिस ने उसकी तलाश में कई ठिकानों पर छापेमारी की। लेकिन वह नहीं मिला। महिला के भाई ने आरोप लगाया कि उसकी बहन पहले भी अपने पति के खिलाफ आवेदन दे चुकी थी। लेकिन पुलिस ने समझाइश देकर मामला रफा दफा करने की कोशिश की थी। बता दें कि मृतका को तीन महीने का गर्भ था।

दंपती के दो बच्चे पहले से हैं।

करबला मैदान के पास एक दिन पहले किराए से रहने आई रुखसार बी पर पति इरफान ने बीते शुक्रवार की रात हमला कर दिया था। आसपास के लोगों ने उसे गंभीर हालत में पड़ा देखकर पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस ने रात में ही उसे एमवाय भेज दिया था। यहां उसकी मौत हो गई थी। बाद में पति की तलाश में देवास, मंदसौर, उज्जैन और जावरा में टीमें भेजी, लेकिन वह नहीं मिला। अफसरों ने आरोपी पर इनाम घोषित करने की बात भी कही है। भाई अमीर के मुताबिक नवंबर 2022 में उसकी बहन रुखसार बी ने अपने पति इरफान के खिलाफ मारपीट करने के बाद घर से निकालने की धमकी देने की शिकायत की थी। दोनों के दो बच्चे थे। दंपती के विवाद के चलते बच्चों की नानी उसे अपने साथ ले गई थी। समझाइश के बाद उन्हें बाद में भेजा गया था।

पहले भी कर चुका है हमला

परिवार के मुताबिक इरफान पहले भी अपनी पत्नी पर हमला कर चुका था। कुछ समय पहले भी उसने पत्नी का सिर फोड़ दिया था। उस समय उसे सिर में टांके आए थे। रुखसार अपने बच्चो के कारण अपने पति के पास रहने आ गई थी। उसने कभी विवाद नही करने की कसम तक खाई थी। लेकिन उसके बाद भी उसने विवाद कर पत्नी की हत्या कर दी।

आबकारी ने पकड़ी शराब की बड़ी खेप

इंदौर। आबकारी की टीम ने सांवेर में शराब की बड़ी खेप पकड़ी। इसमें बीयर की पेटी, विदेशी तथा देशी शराब शामिल हैं। टीम ने दबिश देकर माल के साथ दो आरोपियों को भी गिर तार किया है। जिनके खिलाफ आबकारी अधिनियम की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है।

आबकारी की टीम लगातार अवैध शराब का कारोबार करने वालों पर कार्रवाई कर रही है। चंद दिन पहले भी सांवेर में बड़ी मात्रा में शराब जब्त की गई थी। तब टीम ने करीब शराब की 70 पेटिंया बरामद की थी। सोमवार को आबकारी की टीम ने एक बार फिर सांवेर में बड़ी कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में शराब बरामद की। कंट्रोलर राजीव मुदगल ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर ग्राम पंचोला तहसील सांवेर में टीम ने कमल पिता रामसिंह के घर दबिश देकर तलाशी ली इस दौरान टीम ने आरोपी के घर से 100.68 बल्क लीटर विदेशी-देशी मदिरा बरमाद की। इसी तरह आकाश पिता गोवर्धन सिंह के घर भी तलाशी ली गई यंहा टीम ने 40 बल्क लीटर देशी मदिरा बरामद की है। दोनों आरोपियों के कब्जे से करीब 90 हजार रूपए की शराब बरामद की गई। आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उन्हें गिर तार कर लिया गया है।

कार ने दोपहिया सवार दंपती को मारी टक्कर

इंदौर। खंडवा रोड पर इंदौर से करीब 40 किलोमीटर दूर ग्वालू घाट पर एक तेज रफ्तार कार ने एक्टिवा सवार दंपती को टक्कर मार दी। हादसे में वृद्धा बाल-बाल बच गईं, लेकिन उनके पति गंभीर घायल हो गए। जानकारी के अनुसार लिंबी के रहने वाले बंसीलाल माली (60) इंदौर में एक पाइप फैक्ट्री में काम करते हैं। जमीन खरीदी-बिक्री के सिलसिले में वे सोमवार को पत्नी गीताबाई के साथ दोपहिया वाहन से लिंबी आ रहे थे। इसी दौरान घाट के निकट तेज रफ्तार कार ने उनके वाहन को सामने से टक्कर मार दी। दुर्घटना में बंसीलाल गंभीर रूप से घायल हो गए, पत्नी गीताबाई को मामूली चोट आई। गीताबाई ने लिंबी में रहने वाले रिश्तेदारों को जानकारी दी तो वे मौके पर पहुंचे। हादसे के बाद कार चालक फरार हो गया था।

स्टैंड को लेकर दुकानदारों में हुआ विवाद, जमकर मारपीट

इंदौर। समीपस्थ महू के एमजी रोड पर दो दुकानदारों में विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि मारपीट होने लगी। 10-12 लोगों के बीच जमकर डंडे और लात-घूसे चले। विवाद के बाद मारपीट का वीडियो भी सामने आया है।

सोमवार शाम को एमजी रोड पर स्थित एक कॉम्प्लेक्स में दो दुकानदार जमकर लडने लगे। मामले की जानकारी लगते ही कोतवाली पुलिस के एसआई देवेश पाल बल के साथ मौके पर पहुंचे तब तक विवाद शांत हो गया था। पाल ने बताया कि कॉम्प्लेक्स में ऊपर नीचे दुकानें हैं। इस दौरान बीच रोड पर ही एक दुकानदार ने स्टैंड रख दिया, जिसका दूसरे दुकानदार ने विरोध किया। इस दौरान दोनों में विवाद बढ़ गया और नौबत मारपीट तक आ गई।

चेन लूट का प्रयास

इंदौर। पैदल जा रही एक महिला के गले से बाइक सवार तीन बदमाशों ने चेन लूटने की कोशिश की। घटना मंजू पाटीदार (40) के साथ हुई। उन्होंने पुलिस को बताया सोमवार की शाम गली में बाइक सवार तीन बदमाशों ने उनकी दो तोला वजनी सोने की चेन लूटना चाही थी। खतरे का आभास होते ही चेन दोनों हाथों से पकड़ ली। इसके चलते बदमाश चेन लूट नहीं सके। वे मंजू को धमकाने लगे तो मंजू ने शोर मचा दिया। इस पर बदमाश घबरा गए और मंजू को जोर का धक्का देकर भाग निकले। मंजू ने मामले में रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई। जूनी इंदौर टीआई नीरज मेढ़ा ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों से बदमाशों के फुटेज खंगाले।

दिनदहाड़े युवक का मोबाइल ले भागे

इंदौर। बाइक सवार बदमाश दिनदहाड़े वारदात को अंजाम देते हुए युवक का मोबाइल छिनकर भाग निकले। वहीं एक युवती का भी मोबाइल लूट लिया।

स्वास्तिक नगर निवासी रविंद्र पिता राधेश्याम सोलंकी ने पुलिस को बताया कि वह कल दोपहर 2:30 बजे यशवंत रोड गुरुद्वारे के सामने मोबाइल फोन पर बात करते हुए पैदल जा रहा था तभी बाइक पर सवार दो बदमाश आए और धक्का देकर मोबाइल फोन छीन कर भाग गए। पंढरीनाथ पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ लूट का केस दर्ज किया है। इसी प्रकार फरियादी ममता पिता कमलेश तिवारी निवासी सोदामा नगर से भी बदमाश मोबाइल फोन छीन कर भाग गए । फरियादी मनीषा तिवारी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह वेदांता आश्रम वाली गली से रात को गुजर रही थी तभी बिना नंबर की बाइक पर सवार दो बदमाश आए और एक ने उसका हाथ पकड़ लिया और मोबाइल छीन कर भाग गए । द्वारकापुरी पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा 392 का केस दर्ज किया है।

युवक की मौत में दो आरोपियों की पुलिस को तलाश

इंदौर। समीपस्थ ग्राम खुड़ैल के अंतर्गत ग्राम बंजारी में गत दिवस हुई आदिवासी युवक प्रकाश वास्कले की हत्या में शामिल दो और आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने बागली के जिस सुल्तान नाम युवक को पकड़ा है उसने अपने दो और साथियों के नाम उजागर किए हैं। बताया जा रहा है कि जिस लड़की के चक्कर में हत्या हुई है पुलिस ने उससे भी पूछताछ की है। इसके मंगेतर प्रकाश को सुल्तान ने मौत के घाट उतारा था। उसने स्वीकार किया कि उसने इस हत्याकांड को अंजाम देने के लिए शिवनगर के अपने दो दोस्तों को भी दांव पर लगा दिया लाठी और सरिए से हमला किया था। बाद में पहचान छुपाने के लिए मृतक का चेहरा पत्थर से कुचल दिया था। दरअसल सुल्तान लड़की से एकतरफा प्यार करता था और उसी चक्कर में उसने मंगते कोर मार डाला।

लू से बचाव के लिए बेल का शरबत है फायदेमंद

गर्मी का असर केवल शरीर के ऊपरी हिस्सों में ही नहीं बल्कि भीतर भी होता है। ऐसे में बॉडी को नेचुरल तरीके से ठंडा रखने के लिए आप बेल के जूस का सेवन कर सकते हैं। भगवान शंकर पर चढ़ाए जाने वाले बेलपत्र के पेड़ में लगने वाला फल सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। बेल की तासीर ठंडी होती है। इसलिए इसे गर्मी में सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है। माना जाता है कि इसके सेवन से लू लगने का खतरा नहीं रहता है। वैसे तो आप आसानी से बेल के शरबत को बाजार से ले सकते हैं, लेकिन इसे घर पर साफ-सुथरा बनाना ज्यादा अच्छा विकल्प होता है। ऐसे में आज हम आपको घर पर बिना जूसर के बेल के शरबत को बनाने का तरीका यहां बता रहे हैं।

बेल के जूस के फायदे

बेल का जूस गर्मी के दिनों में शरीर को अंदर से ठंडा रखने के साथ पाचन तंत्र को दुरुस्त करने का काम करता है। इससे कब्ज, ब्लोटिंग, एसिडिटी की समस्या नहीं होती है। इसके अलावा यह खून को साफ करने में मददगार होता है।

पेट को सुराही जैसा ठंडा रखने के लिए पीएं बेल का जूस

गर्मी में चिलचिलाती धूप से बचना बहुत जरूरी है। यह शरीर में पानी की कमी, कब्ज, पेट में जलन, सीने में जलन जैसी दिक्कतें कर सकती है। इन समस्याओं को दूर रखने के लिए गर्मी में बेल का जूस पीना चाहिए। यह समर ड्रिंक बेहद हेल्दी होती है। बेल फ्रूट को बिल्व भी कहा जाता है, जो मूल रूप से भारत में पैदा होता है। यह फल पेट की गर्मी दूर करने का रामबाण इलाज है। आप इसका शरबत पीकर पेट को ठंडक दे सकते हैं।

गर्मी की बेस्ट ड्रिंक

गर्मी के लिए बेस्ट ड्रिंक कहते हैं। इसके रस में ठंडा, ताजगी, पोषण, लैक्सेटिव आदि गुण होते हैं। जो इसे धूप के मौसम के लिए टॉनिक बनाते हैं।

खुल जाएंगी आंतें

पाचन खराब होने पर आंतों का संकुचन कम हो जाता है, जो कि कब्ज बनाता है। गर्मी में डिहाइड्रेशन इस समस्या को गंभीर बना सकती है। मगर बिल्व रस पानी की पूर्ति करके आंतों को रिलैक्स करता है और संकुचन सामान्य करने में मदद करता है।

हड्डियों की मजबूती बढ़ाता है

पेट के अलावा बेल फल का जूस हड्डियों के लिए फायदेमंद है। इसमें कैल्शियम का लेवल शारीरिक ढांचें को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है। यह ड्रिंक तुरंत एनर्जी देने के लिए भी जानी जाती है।

बढ़ जाएगा खून

बेल के जूस में विटामिन बी2 होता है, जो शारीरिक विकास में मदद करता है। ये पौष्टिक गुण रेड ब्लड सेल्स के उत्पादन में मददगार होता है। जिससे खून की कमी दूर होती है

कैसे बनाएं बेल का जूस

बेल का जूस बनाने के लिए मार्केट से एक बेल का फल लें आएं।
अब इसे साफ पानी से धोकर किसी भारी चीज से फोड़ लें।
फिर इसके अंदर के गूदे को एक चम्मच की मदद से बर्तन में निकाल लें।
अब इसमें एक गिलास पानी डालकर 2-3 मिनट के लिए घूलने के लिए छोड़ दें।
फिर इसे हाथों से अच्छी से मस लें, और रेशेदार हिस्से को फेंक दें।
इसे बड़ी छलनी से छान लें।
अब इसमें शक्कर और आइस क्यूब मिलाकर सर्व करें।

क्या बेल का जूस रोज पी सकते हैं

बेल में कई औषधीय गुण मौजूद होते हैं। ऐसे में आप नियमित रूप से खाली पेट इसका सेवन कर सकते हैं। लेकिन ध्यान रखें कि रात के समय और ज्यादा मात्रा में इसका सेवन न हो। वरना बेल के साइड इफेक्ट से आपको परेशान होना पड़ सकता है।

बेल के जूस को कब तक स्टोर कर सकते हैं

बेल के साबुत फल को आप कई महीनों तक स्टोर करके रख सकते हैं। वहीं, बेल के जूस को फ्रिज में रखकर आप 1 हफ्ते तक इसका सेवन कर सकते हैं।

पथरी-पीलिया के लिए नैचुरल टॉनिक है गन्ने का रस, मगर ये 5 लोग न करें पीने की गलती

गर्मियों में गन्ने के जूस से बढ़िया कोई ड्रिंक नहीं है, स्वाद और पोषण से भरपूर गन्ने का रस शरीर को ऊर्जा देने के अलावा कई बीमारियों से बचाने में सहायक है।

चिलचिलाती गर्मी में ठंडक पाने के लिए अधिकतर लोग कोल्ड ड्रिंक्स या अन्य शुगरी ड्रिंक्स का अधिक सेवन करते हैं। इन चीजों के सेवन से आपकी सेहत पर गंभीर प्रभाव पड़ते हैं। अगर आप गर्मियों में शरीर को ठंडा रखने के साथ कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचने व उनका इलाज करना चाहते हैं, तो आपको गन्ने का रस पीना चाहिए। गन्ने का रस एक 100 नैचुरल ड्रिंक है जिसमें किसी तरह कोलेस्ट्रॉल नहीं होता। हालांकि इसमें थोड़ा फैट, फाइबर और प्रोटीन की मात्रा होती है। गन्ने का रस में सोडियम, पोटैशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम और आयरन जैसी पोषक पाए जाते हैं। गर्मियों में बॉडी को हाइड्रेटेड रखने के अलावा गन्ने का रस आपको कैंसर से बचाने, पाचन को दुरुस्त रखने, किडनी के कामकाज को बढ़ाने, हड्डियों को मजबूत बनाने और खून की कमी से बचाने आदि में सहायक है। चलिए जानते हैं कि गन्ने का जूस पीने के और क्या-क्या फायदे हैं

आवास मेला
"प्रीमियम प्लॉट - स्वतंत्र मकान"
सर्वसुविधायुक्त आवासीय कॉलोनी
अचीरा ग्रीन में लीजिये आपने सपनो का
आशियाना मात्र 10.21 में
साथ में Activa Honda बिलकुल मुफ्त
(ऑफर केवल पहले 11 ग्राहकों के लिए)
मकान मात्र 19.99 में
प्लॉट 10.21 में / मकान 19.99 में
अचीरा ग्रीन, कजलीगढ़ रोड, सिमरोल
(इंदौर-खंडवा रोड से 900 मी. की दुरी पर)
संपर्क करे
8889066688, 9109639404
ACHIRA GREENS
A Smart Township
Follow us I

WWW.1BIGA.COM
मात्र
₹221/-
Sq.ft. में
अब जमीन लेना हुआ
आपके लिए और भी आसान
आधा एकड / एक एकड
जमीन अब इंदौर खंडवा रोड पर लीजिये
सर्व सुविधा युक्त
पानी
बिजली
रोड की कनेक्टिविटी
सोलर लाइट
एक बीघा जमीन मात्र
Rs. 221/- Sq.ft. में
1 BKH Cottege
के साथ
More information call us
8889066688, 9109639404
BOOK NOW

धोनी है तो मुमकिन है! आखिरी चार ओवरों का रोमांच... जिसमें सीएसके ने पलट दिया पूरा गेम

चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2023 के एक रोमांचक मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को आठ रन से हरा दिया. आखिरी चार ओवरों में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को जीत के लिए 46 रन की जरूरत थी और उसके छह विकेट बाकी थे. ऐसे में आरसीबी की जीत लगभग तय लग रही थी, लेकिन धोनी की सेना ने शानदार कमबैक करके मैच अपने नाम कर लिया.

इंडियन प्रीमियर लीग (ढ्ढक्क) 2023 के एक ब्लॉकबस्टर मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को आठ रन से हरा दिया. 17 अप्रैल (सोमवार) को बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुए मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स ने आरसीबी को जीत के लिए 227 रनों का टारगेट दिया था, लेकिन वह आठ विकेट पर 218 रन ही बना सकी. इस शानदार जीत के बाद चेन्नई सुपर किंग्स की टीम अंकतालिका में तीसरे नंबर पर आ गई है.

धोनी ने विकेट के पीछे लपके दो कैच

देखा जाए तो जब फाफ डु प्लेसिस और ग्लेन मैक्सवेल बैटिंग कर रहे थे तो यह मुकाबला आरसीबी के कब्जे में था. फिर कप्तान

एमएस धोनी ने विकेट के पीछे दोनों खिलाड़ियों का कैच लेकर सीएसके की मैच में वापसी कराई. इसके बाद दिनेश कार्तिक और शाहबाज अहमद क्रीज ने उपयोगी रन बटोरकर फिर से आरसीबी को फ्रंटफुट पर ला दिया.

आखिरी चार ओवरों में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को जीत के लिए 46 रन की जरूरत थी और उसके छह विकेट बाकी थे. चिन्नास्वामी स्टेडियम की छोटी बाउंड्रीज को ध्यान में रखते हुए आरसीबी के लिए यहां से जीत आसान लग रही थी, लेकिन सीएसके के गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी करके मेजबान टीम के मंसूबों पर पानी फेर दिया.

आरसीबी की पारी का 17वां ओवर तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे ने फेंका. उस ओवर में 11 रन आए और दिनेश कार्तिक का बड़ा विकेट सीएसके को हासिल हुआ. अब आरसीबी को जीत के लिए तीन ओवरों में 35 रनों की दरकार थी. 17वें (मथीशा पथिराना) ओवर में सिर्फ चार रन आया और आरसीबी ने शाहबाज अहमद का विकेट भी खो दिया, जिसके चलते अब आरसीबी के लिए टारगेट था- 12 गेंदों में 31 रन. फिर तुषार देशपांडे ने 19वां ओवर डाला, जिसमें 12 रन आए और पार्नेल का विकेट गिरा.

आखिरी ओवर में बनाने थे 19 रन

अब आखिरी ओवर में आरसीबी को जीत के लिए 19 रन बनाने थे. मथीशा पथिराना के उस ओवर की पहली दो गेंदों पर एक-एक रन आया. इम्पैक्ट फ्लेयर सुयश प्रभुदेसाई ने तीसरी गेंद को छक्के के लिए भेजा, हालांकि वह चौथी गेंद पर कोई रन नहीं बना सके. आखिरी दो गेंदों पर जीत के लिए 11 रन बनाने थे, लेकिन पांचवीं बॉल पर दो रन आया. फिर पथिराना ने आखिरी गेंद पर सुयश प्रभुदेसाई को आउट करके सीएसके को आठ रनो से जीत दिला दी.

जब शहनाज को इस फिल्म इंडस्ट्री से पूरी तरह से कर दिया गया था कट ऑफ, फूट-फूटकर रोई थीं एक्ट्रेस

शहनाज गिल आज वह शख्सियत बन चुकी हैं, जिनके बारे में लगभग हर फैन जानना चाहता है।बिग बॉस 13 से घर-घर में फेमस हो चुकीं शहनाज की लोकप्रियता इस शो के बाद बढ़ती ही चली गई। आज शहनाज की पॉपुलैरिटी इतनी बढ़ गई है कि वह सलमान खान के साथ फिल्म में नजर आने वाली हैं। बतौर बॉलीवुड डेब्यू उनकी पहली फिल्म किसी का भाई किसी की जान रिलीज होने वाली है।

2015 में शुरू किया एंटरटेनमेंट का सफर

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने से पहले शहनाज गिल ने पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में काम किया है। एक्ट्रेस ने 2015 में म्यूजिक वीडियो शिव दी किताब से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद 2017 में सत श्री अकाल इंगलैंड उनकी पहली पंजाबी फिल्म रिलीज हुई थी।

बिग बॉस में आने तक शहनाज ने ठीकठाक काम कर लिया था। मगर, बड़ी फिल्में करने के बावजूद उन्हें वह तवज्जो नहीं मिलती थी, जिसकी वह हकदार थीं।

पंजाबी इंडस्ट्री ने पूरी तरह से कर दिया था कट ऑफ

इन दिनों किसी का भाई किसी की जान को लेकर सुर्खियों में छाईं शहनाज ने पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री से बॉलीवुड तक के सफर पर बात की। उन्होंने बताया कि पंजाबी इंडस्ट्री में भी उन्हें कितना सफर करना पड़ा था। बतौर शहनाज, पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री ने उन्हें पूरी तरह से कट ऑफ कर दिया था। उन्हें अपनी ही मूवी के प्रीमियर के लिए नहीं बुलाया जाता था।

बहुत दुख हुआ कि मुझे नहीं बुलाया

सिद्धार्थ कनन के शो में शहनाज ने बताया,एक बार मैंने एक मूवी में किया था सेकेंड लीड में। मुझे प्रीमियर पर भी नहीं बुलाया था, सारी दुनिया को बुलाया था, पूरा प्रोडक्शन हाउस। पंजाबी फिल्म थी। मैं अपनी मूवी देखकर निकली और मैंने देखा सारी फोटोज हो रही हैं उनकी, प्रीमियर में जो लोग थे। मैं उस दिन बहुत रोई गाड़ी में जाकर कि उन्होंने मुझे कॉल किया, फिर मुझे कैंसिल कर दिया। मुझे तब बहुत दुख हुआ था कि मुझे नहीं बुलाया, सब को बुलाया।

कोचेला म्यूजिक फेस्टिवल में छा गए दिलजीत दोसांझ इवेंट में परफॉर्म करने वाले पहले पंजाबी सिंगर बने,

पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ ने कोचेला म्यूजिक फेस्टिवल में परफॉर्म किया है। इसी के साथ दिलजीत इस इवेंट में परफॉर्म करने वाले पहले पंजाबी सिंगर बन गए हैं। इवेंट से जुड़ा एक वीडियो उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है, जिसे फैंस से लेकर सेलेब्स तक काफी पसंद कर रहे हैं।

दिलजीत का पंजाबी लुक

वीडियो में सिंगर ऑल ब्लैक पंजाबी लुक में नजर आए। उन्होंने ब्लैक कुर्ता-पजामा के साथ ब्लैक पगड़ी और पीले ग्लव्स पहने हुए हैं। इस लुक को उन्होंने ब्लैक एंड व्हाइट स्नीकर्स के साथ कम्पलीट किया।

सेलेब्स ने दी बधाई

दिलजीत के इस अचीवमेंट के लिए बॉलीवुड सितारों ने उन्हें जमकर बधाइयां दी है। करीना कपूर खान, अर्जुन रामपाल, सोनम कपूर, कृति सेनन, जस्सी गिल से लेकर आलिया भट्ट तक सभी ने सिंगर के लिए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर उनकी तारीफ की है। आलिया भट्ट ने सिंगर का वीडियो शेयर कर इसे एपिक बताया है। करीना कपूर ने भी दिलजीत दोसांझ का वीडियो शेयर कर उनके परफॉरमेंस की जमकर सराहना की। एक्ट्रेस ने उन्हें ओजी कहा है।

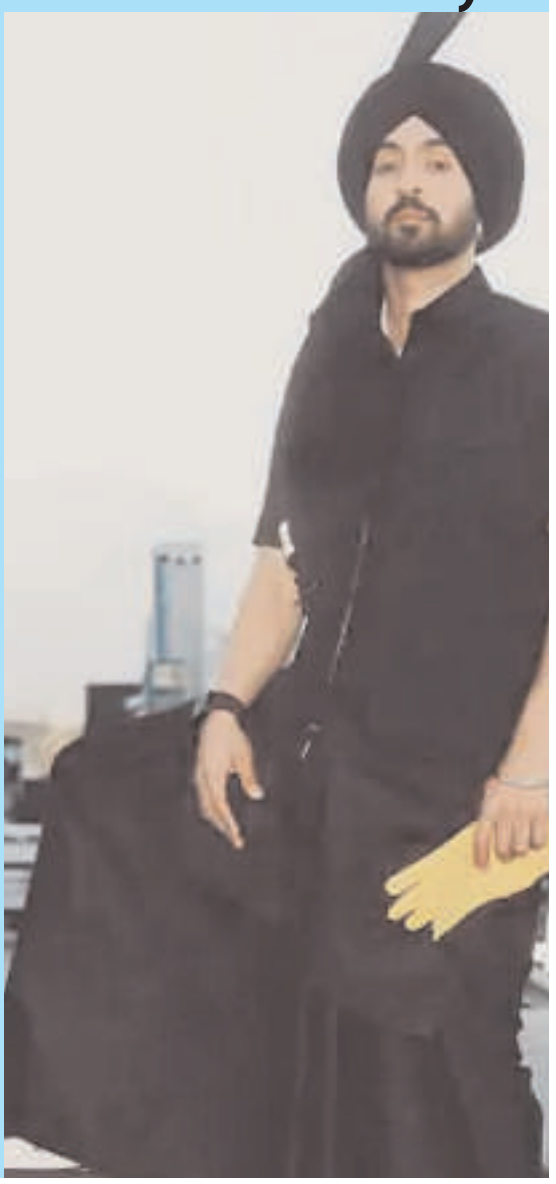

भोपाल में शुरू हुई यूनेस्को सब रीजनल कॉन्फ्रेंस

धरोहरों के संरक्षण और समावेशी विकास की दिशा में करना होंगे कार्य- श्री गोंटिया

सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण, विकास और भविष्य की चुनौतियों पर मंथन करने यूनेस्को के दो दिवसीय उप-क्षेत्रीय सम्मेलन (सब-रीजनल कॉन्फ्रेंस) की शुरूआत सोमवार को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) में हुई। राज्य पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष श्री विनोद गोंटिया ने विभिन्न देश से आए प्रतिनिधियों के साथ दीप प्रज्वलन कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। श्री गोंटिया ने कहा कि सभी देशों के पारस्परिक सांस्कृतिक समन्वय से धरोहरों के संरक्षण और विकास की दिशा में कार्य किया जाएगा। इससे सभी देशों में पर्यटन के साथ आर्थिक विकास होगा और देश की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत के संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

यूनेस्को नई दिल्ली के ऑफिस-इन-चार्ज श्री हिचकील देलमिनी कॉन्फ्रेंस से वर्चुअली जुड़े। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक और राष्ट्रीय विरासतों के संरक्षण एवं विकास के लिए यह सम्मेलन महत्वपूर्ण है, जो विभिन्न देशों के विचारों का आदान-प्रदान करेगा। सभी देश, एक-दूसरे के नवाचारों से प्रेरणा लेते हैं।

यूनेस्को नई दिल्ली की संस्कृति प्रमुख सुश्री जूनी हान ने वर्ल्ड हेरिटेज कन्वेंशन के 50 साल पूरे होने पर यूनेस्को की विरासत संरक्षण की पिछले 50 वर्षों की यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने समावेशी, जन-केंद्रित और समग्र दृष्टिकोण वाली सांस्कृतिक विरासत की अवधारणा पर चर्चा की।

प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति एवं प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि मध्यप्रदेश सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत को सहेजने के लिए सतत प्रयास कर रहा है। प्रदेश में 3 यूनेस्को विश्व विरासत स्थल खजुराहो, भीमबेटका और साँची स्तूप है। साथ ही मांडू, ओरछा, सतपुड़ा नेशनल पार्क और भेड़ाघाट-लम्हेटाघाट को संभावित सूची में सम्मिलित किया गया है, जो प्रदेश के लिए गौरव की बात है। श्री शुक्ला ने सम्मेलन की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए सभी डेलिगेट्स का आत्मीय स्वागत किया। आयुक्त पुरातत्व श्रीमती शिल्पा गुप्ता ने आभार व्यक्त किया।

रिस्पॉंसिबल टूरिज्म मिशन प्रदर्शनी को सराहा

म.प्र. टूरिज्म बोर्ड द्वारा डेलीगेट्स को प्रदेश की हस्तशिल्प कला एवं सांस्कृतिक विरासत से परिचय कराने के लिए कन्वेंशन सेंटर परिसर में रूरल टूरिज्म पर केन्द्रित प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म मिशन के विभिन्न पहलु से अवगत कराया गया। साथ ही वर्चुअल रियलिटी उपकरण के माध्यम से डेलीगेट्स को प्रदेश के गंतव्यों की वर्चुअली सैर कराई। शाम को सभी प्रतिनिधियों ने जनजातीय संग्रहालय का भ्रमण कर प्रदेश की जनजातियों के रहन-सहन, परंपराओं एवं संस्कृति के बारे में जाना। सांस्कृतिक प्रस्तुति में प्रदेश की लोक कला और संस्कृति की झलक देखी और सराहना की।

साइड इवेंट में विरासत के विभिन्न आयामों और समुदाय पर हुआ विचार मंथन

सम्मेलन में सदस्य देशों और विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने विरासत के विभिन्न आयाम और समुदाय की सहभागिता पर अपने विचार रखे। विरासत आधारित शैक्षणिक परियोजना- अनुसंधान का महत्व-सेशन में भोपाल के स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर के प्रो. अजय खरे ने ऐतिहासिक शहर में विश्व धरोहर स्थल एवं नियामक निकायों की भूमिका और नई दिल्ली के स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्ट डिपार्टमेंट ऑफ अर्बन डिजाइन के प्रमुख प्रो. मनु महाजन ने कम्युनिटी बेस्ड डिजाइन स्टूडियो फॉर स्टोरी कोर्स पर प्रेजेंटेशन दिया। नागरिक समाज की भूमिका सेशन में बांग्लादेश के श्री अमर ने एन आर्टिफिशियल रियलिटी बेस्ड इनिशिएटिव टू कनेक्ट हेरिटेज विथ ग्राससूट कम्युनिटीज, नेपाल की चौधरी फाउंडेशन ने रिवाइविंग कल्चर इन प्रेजेंट डे-नेपाल और श्रीलंका के द ज्योफ्रे बावा ट्रस्ट ने प्रेजेंटेशन दिया। आखिरी सेशन में विरासत के विभिन्न आयाम पर भारत में अमेरिकन इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंडियन स्टडीज की डॉ. वंदना सिन्हा, ब्रिटिश कॉउंसिल के श्री जॉनाथन कैनेडी और सदर्न रेलवे के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी श्री साइबल बोस ने प्रेजेंटेशन दिया।

थीमेटिक सेशन में समुदाय को विरासत के संरक्षण और विकास से जोड़ने पर हुआ मंथन

थीमेटिक सेशन में देशों और संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने समुदाय को विरासत के संरक्षण और विकास से जोड़ने पर अपने विचार रखे। विश्व विरासत और स्थानीय समुदाय के लिए सतत विकास की थीम पर केन्द्रित सेशन में श्री रतीश नंदा ने रि-थिंकिंग कंजर्वेशन फॉर कम्युनिटी, नेपाल की सुश्री विनीता मगैया ने कम्युनिटी एंड कास्थामंडप रिकंस्ट्रक्शन, सुश्री अपूर्वा आयंगर ने रोल ऑफ लोकल कम्युनिटीज फॉर मैनेजिंग एंड कंजर्विंग द विक्टोरियन गोथिक एंड आर्ट डेको एंसेंबल्स ऑफ मुंबई वर्ल्ड हेरिटेज साइट पर प्रेजेंटेशन दिया। प्रो. डॉक्टर मधुर यादव और प्रो. अजय खरे ने पैनल डिस्कशन

ट्राइबल म्यूजियम में जनजातीय संस्कृति से हुआ प्रतिभागियों का परिचय

में प्रेजेन्टेशन के विभिन्न आयामों को रेखांकित किया।

विश्व विरासत और टिकाऊ पर्यटन की थीम पर केन्द्रित सेशन में श्री अनुभव कुमार ने बेलेंसिंग प्रिजर्वेशन एंड डेवलपमेंट, सस्टेनेबल डेवलपमेंट फॉर फ्यूचर, श्री स्कॉट वेन और सुश्री मीनू चावला ने टूरिज्म ए पॉजिटिव फोर्स फॉर कल्चरल हेरिटेज, श्री प्रशांत सिंह बघेल ने मध्यप्रदेश टूरिज्म प्रोजेक्ट्स और डॉ. मनोज कुमार किनी ने केरल टूरिज्म लिमिटेड इनीशिएट्स फॉर सस्टेनेबल टूरिज्म कोडुंगलर पर प्रेजेंटेशन दिया। साथ ही पैनल डिस्कशन में श्री सेथरीचेम संगतम और डॉ. कस्थूरबा ए. के. ने विचार रखे।

सम्मेलन में श्रीलंका के बुद्धासना, धार्मिक और सांस्कृतिक मामलों के मंत्रालय सचिव श्री सोमर्थने विदानापथिराना, भूटान के संस्कृति और ज़ोंगखा विकास विभाग के कार्यकारी वास्तुकार श्री कर्मा तेनज़िन, नेपाल के संस्कृति, पर्यटन और नागरिक उड्डयन मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री सुरेश सुरस श्रेष्ठ, मालदीव के कला, संस्कृति और विरासत मंत्रालय के परियोजना प्रबंधक सुश्री ऐशता मुनीज़ा, बांग्लादेश के सांस्कृतिक मामलों के मंत्रालय के संयुक्त सचिव सुब्रत भौमिक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अतिरिक्त महानिदेशक श्री जान्ह्वीज शर्मा, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के निदेशक श्री अनीश पी. राजन की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अपर प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड श्री विवेक श्रोत्रिय, संचालक संस्कृति श्री अदिति कुमार त्रिपाठी सहित विभागीय अधिकारी एवं एनआईएफटी, आईएचएम और मेनिट सहित विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं के छात्र और एनजीओ के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बांधवगढ़ में कराया जाएगा संत शिरोमणि सेन महाराज के भव्य स्मारक का निर्माण मुख्यमंत्री श्री चौहान

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि सेन समाज सबके मंगल का काम करता है। सेन समाज के बिना किसी भी समाज के मांगलिक काम अधूरे हैं। संत शिरोमणि सेन जी महाराज की जयंती पर आप सबको हार्दिक बधाई देता हूँ। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि उमरिया जिले के बांधवगढ़ में दो एकड़ भूमि में संत शिरोमणि सेन जी महाराज के भव्य स्मारक का निर्माण कराया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज निवास कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सेन समाज के कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सेन समाज मेहनती समाज है। यह मध्यप्रदेश का सौभाग्य है कि संत शिरोमणि सेन जी महाराज की जन्म-भूमि बांधवगढ़ में है। उन्होंने पूरे देश को दिशा दिखाने का काम किया। वे विभिन्न सामाजिक कुरीतियों और कुप्रथाओं को दूर करने के लिए जीवन पर्यंत कार्य करते रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सबका मंगल और कल्याण हो, यही सेन जी महाराज से कामना है।

सरकार का संकल्प है पात्र हितग्राही को घर के नजदीक ही मिले सुविधाएँ - ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर विकास यात्रा लेकर शहर की विभिन्न बस्तियों में पहुँचे

सरकार का संकल्प है कि हर पात्र हितग्राही को घर के नजदीक ही शासन की योजनाओं का लाभ मिले। इस बात को ध्यान में रख कर उपनगर ग्वालियर में विकास यात्रा से घर-घर जाकर आमजन की समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया जा रहा है। साथ ही मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में बहनों के ईकेवायसी और फॉर्म भरने का कार्य भी किया जा रहा है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने यह बात शहर के वार्ड-5 में निकली विकास यात्रा के दौरान कही। श्री तोमर ने विकास यात्रा के दौरान 3 करोड 38 लाख रूपये के विकास कार्यों की सौगातें दी। इनमें 2 करोड 30 लाख रूपये लागत के भूमि-पूजन एवं एक करोड 8 लाख रूपये लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने आमजन से मिल कर उनकी समस्याओं को सुना तथा मौके पर निराकरण भी कराया। उन्होंने शेष समस्याओं को समय-सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिए। इस दौरान हुई नुक्कड़ सभाओं में

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर विकास यात्रा लेकर शहर की विभिन्न बस्तियों में पहुँचे

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि आमजन को बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ घर के नजदीक मिलें, इसके लिए प्रत्येक वार्ड में संजीवनी क्लीनिक खोली जा रही हैं। उन्होंने कहा कि उपनगर ग्वालियर में मोतीझील रोड एवं नाले का निर्माण कार्य जारी है। साथ ही विभिन्न कॉलोनियों में आज जिन सडकों का भूमि-पूजन किया गया है, उनका निर्माण कार्य शीघ्र ही चालू हो जाएगा।

10 जून से बहनों के खाते में आयेगें एक-एक हजार रूपये

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने माताओं-बहनों की चिंता करते हुए मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना शुरू की है। इस योजना में सभी पात्र महिलाओं को 1-1 हजार रुपये प्रतिमाह दिए जाएगें। योजना में आवेदन भरने का काम जारी है। एक भी बहन पंजीयन से छूट न जाए, इसके लिए सभी के घर के नजदीक ही पंजीयन शिविर लगाये जा रहें।

ज्ञान जनित वाद-विवाद छोड़कर स्व-स्वरूप को जानने की कला है सहजयोग

बूझ सरीखी बात हैं, कहन सरीखी नाहि
जेते ज्ञानी देखिये, तेते संसै माहि।
उपरोक्त वर्णित दोहे में संत कबीर कहते हैं कि, आत्मसाक्षात्कार, स्व-स्वरूप की बात तो समझने तथा अनुभव करने की है, यह वादविवाद का विषय नहीं है। वाद विवाद करने वाले जितने वाचिक ज्ञानी हैं वे सब संशय में पड़ जाते हैं।

प. पू. श्री माताजी, प्रणित सहजयोग ध्यान एक साक्षात अनुभव है, जिसे अपने सूक्ष्म तंत्र पर जाना जा सकता है। साधारणत: जब हम ध्यान करने बैठते हैं और अपनी आंखें बंद करते हैं तो बहुत सारे विचार अपने मानसपटल पर आने लगते हैं । हम पांच मिनट के लिये भी अपनी आंखें बंद करके शांत नही बैठ सकते, अपने-आप का सामना नही कर सकते। एक क्षण के लिये भी हम हमारे विचारों से छुटकारा नहीं पा सकते। बैचने हो जाते हैं और अपने मन को कहीं न कहीं उलझाते रहते हैं, विचारों का निषेध करने की कोशिश करते हैं। परंतु यह स्थिति ध्यान नहीं है और ऐसे में हम निर्विचार अवस्था का अनुभव कभी भी कर ही नहीं सकते। अपने - आपसे एक प्रश्न पूछें क्या मैं एक क्षण के लिये भी शांत या निर्विचार रह सकता हूं ? अगर आपका उत्तर नकारात्मक है तो सहजयोग ध्यान आपके लिए सहायक हो सकता है। सहजयोग ध्यान सीखने के लिये आपको अपनी इच्छाशक्ति और जिज्ञासा जागृत कर अपना आत्मसाक्षात्कार मांगना होगा। सहजयोग में साधक को सूक्ष्म तंत्र के बारे में बताया जाता है तत्पश्चात सूक्ष्मशरीर में मे स्थित इड़ा-पिंगला नाड़ी का संतुलन कर मध्य नाड़ी सुषुम्णा द्वारा सहस्रार चक्र पर ध्यान केन्द्रित करने की कला सिखायी जाती है। श्रीमाताजी कहते हैं हमारा सहजयोग, आधि कलस मग पाया इस न्याय से चलता है ध्यान करने आये साधक को सर्वप्रथम निर्विचार अवस्था प्राप्त होती है और इसके बाद आत्मपरीक्षण से साधक चित्त शुद्धि कर अपने आपको स्वच्छ और दुर्गुणों से दूर रखता है। श्रीमाताजी कहते हैं, सहजयोग एक अनुभूतिजन्य योग है । इस योग में आपको उस ज्ञान की साक्षात् अनुभूति होती है । जिसे वर्णित करने के लिये सभी धर्मग्रंथों ने उपमाओं व दृष्टांतों की झड़ी लगा दी है वह आत्मज्ञान, निर्विचारिता, व निरानंद सहजयोग में आत्मसाक्षात्कार प्राप्ति के साथ सहज में ही प्राप्त हो जाता है।

अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं या वेबसाइट sahajayoga.org.in पर देख सकते हैं।

अप्रैल के पहले पखवाड़े में कोरोना संक्रमण दर 6.63 प्रतिशत, एक मौत भी हुई

इंदौर। कोरोना संक्रमण इंदौर में एक बार फिर पैर पसारने लगा है। स्थिति यह है कि अप्रैल के पहले पखवाड़े में संक्रमण दर 6.63 प्रतिशत रही। बावजूद इसके स्वास्थ्य विभाग ने सैंपलिंग बढ़ाने की कोई रणनीति नहीं बनाई। लापरवाही की स्थिति इसी से समझी जा सकती है कि अप्रैल के शुरुआती 15 दिन में इंदौर में सिर्फ 1537 सैंपल जांचे गए। इनमें से 102 में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई। इस दौराना कोरोना संक्रमित एक व्यक्ति की मौत भी हुई। शनिवार को भी शहर में सिर्फ 74 सैंपल जांचे गए। इनमें से पांच संक्रमित मिले हैं। शनिवार को छह लोगों ने बीमारी को हराया और कोरोना मुक्त हुए।

15 दिन में दोगुनी हो गई उपचाररत मरीजों की संख्या

किसी समय इंदौर में कोरोना के उपचाररत मरीजों की संख्या हजारों में थी, लेकिन जैसे-जैसे कोरोना नियंत्रित हुआ, यह कम होती गई। लंबे समय तक तो शहर में कोरोना का एक भी मरीज उपचाररत नहीं था। अब कोरोना संक्रमण बढ़ने के साथ-साथ उपचाररत मरीजों की संख्या में भी बढ़ोतरी होने लगी है। अप्रैल के 15 दिन में उपचाररत मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। 31 मार्च को जहां सिर्फ 29 कोरोना संक्रमितों का उपचार चल रहा था, वहीं 15 अप्रैल को यह संख्या बढ़कर 58 हो गई।

सैंपलिंग बढ़ाने की जरूरत

किसी समय इंदौर में प्रतिदिन आठ से 10 हजार सैंपल जांचे जा रहे थे, लेकिन फिलहाल इनकी औसत संख्या प्रतिदिन 100 के आसपास है। विशेषज्ञों का कहना है कि सैंपलिंग बढ़ाने की आवश्यकता है, ताकि कोरोना संक्रमितों की पहचान की जा सके। सैंपलिंग नहीं होने की वजह से कोरोना के हल्के लक्षण होने के बावजूद व्यक्ति समूचित उपचार नहीं ले पाता। ऐसी स्थिति में संक्रमण अन्य लोगों को भी अपनी चपेट में ले लेता है।

एक हजार करोड़ रुपये की लागत से होगा इंदौर रेलवे स्टेशन का नवनिर्माण

इन्दौर (अशोक सैनी)। इंदौर रेलवे स्टेशन के नवनिर्माण का प्रस्ताव तैयार हो चुका है। पश्चिम रेलवे मई माह के पहले सप्ताह में नवनिर्माण के बजट स्वीकृति का प्रस्ताव रेलवे बोर्ड को भेजेगा। इसके बाद निविदाएं बुलाई जाएंगी। सबसे पहले वे काम होंगे, जिनसे यात्रियों और ट्रेनों के आवागमन में अवरोध न हो। इसके बाद इमारत तोड़ने का काम शुरू होगा। अंत में शास्त्री ब्रिज को समय-सीमा तय कर तोड़ा जाएगा, ताकि जल्द से काम पूरा किया जा सके।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार मिश्र और पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) रजनीश कुमार शनिवार को निरीक्षण करने इंदौर पहुंचे। उनके आने से पहले ही रेलवे स्टेशन चकाचक हो चुका था। उन्होंने सांसद शंकर लालवानी से मुलाकात की और विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी दी। दोनों अधिकारियों ने स्पेशल ट्रेन से नागदा, उज्जैन, देवास स्टेशनों का निरीक्षण किया।

एक हजार करोड़ से होगा नवनिर्माण

महाप्रबंधक मिश्र ने कहा कि 1000 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले नवनिर्माण कार्य का शिलान्यास समारोह जल्द ही आयोजित किया जाएगा। परियोजना के पहले मौजूदा प्लेटफार्म और बिल्डिंग तैयार की जाएगी। ये सभी कार्य तीन वर्ष में पूरे किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मुंबई और दिल्ली की ट्रेनों के रखरखाव के लिए कोचिंग टर्मिनल बनाए जाएंगे। मुंबई लाइन के लिए लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन पर कोचिंग टर्मिनल और पिट लाइन तैयार की जाएगी। वहीं दिल्ली लाइन के लिए डा. आंबेडकर नगर (महू) में कोचिंग टर्मिनल और पिट लाइन तैयार करेंगे। सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि महू से सनावद तक ग्रेडिंग फाइनल हो चुकी है। अब जल्द ही सर्वे पूरा हो जाएगा।

लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन का सर्वे होगा शुरू

लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन का विकास अमृत भारत योजना में किया जाएगा। इंदौर-उज्जैन रेल लाइन का दोहरीकरण का काम लक्ष्मीबाई स्टेशन तक होना है। यहां पार्किंग को हटाकर ट्रैक बिछाया जाएगा। बाणगंगा की तरफ भी डेवलप करने के लिए जल्द ही सर्वे शुरू होगा। सांसद शंकर लालवानी ने शुक्रवार को रेलवे के जीएम और डीआरएम से इस मामले में चर्चा की। रेलवे यार्ड को स्थानांतरित किया जा सकता है।

अगले साल बनेगी सुरंग

महाप्रबंधक मिश्र ने कहा कि इंदौर से धार को रेल लाइन से जोड़ने के लिए कार्य प्रारंभ हो चुका है। टीही में तीन किमी लंबी सुरंग मई 2024 में पूरी होने की उम्मीद है। सुरंग का पानी निकाला जा चुका है और एक माह में काम शुरू हो जाएगा। धार से पीथमपुर के बीच काम किया जा रहा है। पीथमपुर में भी रेलवे स्टेशन का काम हो रहा है। डीआरएम रजनीश कुमार ने बताया कि पातालपानी और कालाकुंड के बीच इस वर्षाकाल में हेरिटेज ट्रेन चलाई जाएगी। डीजल इंजन के साथ कुछ कोच इस दौरान चलाए जाएंगे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)